सत्यमेव जयते

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम-2020

(दिनांक 3 सितंबर से 14 सितंबर 2020)

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल

अनुक्रमणिका

क्रमांक	कार्यक्रम विवरण	पृष्ठ क्रमांक
01	हिन्दी दिवस की प्रासंगिकता व संपादित कार्यालयीन कार्य	01
02	हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम 3-14 सितंबर 2020	05
03	यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता - 03.09.2020	06
04	हिन्दी' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता - 07.09.2020	06
05	'राजभाषा क्विज' प्रतियोगिता ऑनलाइन - 10.09.2020	07
06	'जनसंख्या वृद्धि व इसके दुष्प्रभाव' विषय पर हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता- 14.09.2020	08
07	हिन्दी टिप्पण व आलेखन' प्रतियोगिता	10
08	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक व पत्रिका विमोचन - 14.09.2020	10
09	सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह 14.09.2020	11
10	कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ	13
11	समापन कार्यक्रम	18
12	प्रतियोगिता परिणाम	19

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम 2020 : प्रतिवेदन

01. हिन्दी दिवस की प्रासंगिकता व संपादित कार्यालयीन कार्य

हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। 14 सितबंर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इस निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। हिंदी भारत की 22 भाषाओं में से एक है। अधिकतर भारतीय हिंदी को बोलते और समझते हैं। उत्तर भारत के राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश में हिंदी बोली और समझी जाती है।

हिंदी दिवस पर हिंदी के प्रसार और प्रचार के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दिन स्कूल, कॉलेजों में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। 14 सितंबर 1953 को पहली बार देश में हिंदी दिवस मनाया गया था। हिंदी केवल हमारी मातृभाषा या राजभाषा ही नहीं अपितु यह राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का भी प्रतीक है। भाषा के बिना कोई भी अपनी बात को, अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त नहीं कर पाता। भाषा के जरिए ही विभिन्न प्रकार की संस्कृति को जाना जा सकता है। उसमें हिंदी भाषा बहुत महत्वपूर्ण है। हिंदी में आप सहजता से अपनी बात समझा सकते हैं।

आइए जानते हैं हिंदी से जुड़े ये तथ्य:

- अंग्रेजी ने भी कई शब्द हिंदी से लिए हैं इनमें अवतार, बंग्लो, जंगल, खाकी, कर्म, लूट, मंत्र, निर्वाण, शैंपू, ठग, योग, गुरु आदि हैं।
- देश में सबसे पहले बिहार ने हिंदी को कार्यालय की भाषा बनाया।

- 1805 में प्रकाशित श्रीकृष्ण पर आधारित किताब प्रेम सागर को हिन्दी में लिखी गई पहली किताब माना जाता है। इसे लल्लू लाल ने लिखा था।
- हिंदी भाषा मॉरिशस, फिजी, सुरीनाम, त्रिनिदाद और टोबेगो में भी बोली जाती है।
- हिंदी वैसी सात भाषाओं में से एक है जिसका उपयोग वेब एड्रेस बनाने में किया जा सकता है।
- हिंदी को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए 1975 से 'विश्व हिंदी सम्मेलन' का आयोजन शुरू किया गया।

यूं तो भारत विभिन्न्ताओं वाला देश है। यहां हर राज्य की अपनी अलग सांस्कृतिक, राजनीतिक और ऐतिहासिक पहचान है। यही नहीं सभी जगह की बोली भी अलग है। इसके बावजूद हिन्दी भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है। यही वजह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा था। उन्होंने 1918 में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए अनुरोध किया था।

इसे हिन्दी का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि इतना समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद आज हिन्दी लिखते और बोलते वक्त ज्यादातर अंग्रेजी भाषा के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है और हिन्दी के कई शब्द चलन से ही हट गए। ऐसे में हिन्दी दिवस को मनाना जरूरी है, ताकि लोगों को यह याद रहे कि हिन्दी उनकी राजभाषा है और उसका सम्मान व प्रचार-प्रसार करना उनका कर्तव्य है। हिन्दी दिवस मनाने के पीछे मंशा यही है कि लोगों को एहसास दिलाया जा सके कि जब तक वे इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे तब तक इस भाषा का विकास नहीं होगा।

चूंकि भाषा सरकार व जन साधारण के बीच में संवाद प्रेषण का माध्यम बनती है अतएव यह आवश्यक है कि प्रशासकीय कार्य में उपयोग की जाने वाली हिन्दी सरल, सहज तथापि संस्कारयुक्त एवं भाषा के मान्य नियमों के अनुकूल हो। इस

दृष्टि से स्वतंत्रता के पश्चात जनसाधारण की दृष्टि से हिन्दी का जो सरल एवं सहिष्णु स्वरूप विकसित हुआ है जो राजभाषा हिन्दी या प्रशासनिक हिन्दी के रूप में परिभाषित हुआ।

राजभाषा नियमों के संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन तथा इसके विकास एवं संवर्धन में सदैव प्रतिभागी रहते हुए क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल में भी इस दिवस को मनाने की अत्यंत गौरवशाली परम्परा रही है तथा इसका निर्वहन प्रत्येक वर्ष स्वतःस्फुर्त भावना से हिन्दी पखवाडे के आयोजन के साथ किया जाता रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल राजभाषा नियम 1976 के तहत 'क' क्षेत्र में स्थित है तथा इसके कार्यक्षेत्र में स्थित राज्य (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान) भी 'क' क्षेत्र में ही हैं । अतः यह कार्यालय हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह कार्यालय राजभाषा नियम 1976 की धारा 10(4) के अंतर्गत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित भी किया जा चुका है। राजभाषा विभाग की प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 में मध्य क्षेत्र में गृह मंत्रालय राजभाषा कार्यालय द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने हेतु क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल को तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। यह पुरस्कार माननीय राज्यपाल, महाराष्ट सरकार द्वारा मुंबई में दिनांक 12.01.2018 को मध्य तथा पश्चिम क्षेत्रों के राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया। वर्ष 2015-16 मे भी द्वितीय पुरस्कार क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल को ही प्राप्त हुआ था।

कार्यालय द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समस्त छः माही बैठकों में अनिवार्य रूप से भाग लिया जाता है तथा राजभाषा के नियम के अनुपालनार्थ क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा भी प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 4 बैठकों का आयोजन किया जाता रहा है तथा सभी बैठकों में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि की सहभागिता व मार्गदर्शन हेतु उन्हें आमंत्रित किया जाता है।

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल, राजभाषा नियमों का परिपालन वर्ष भर करता है तथा विभिन्न अवसरों पर इस संदर्भ में प्रचार-प्रसार भी करता है, विगत वर्ष में क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा विभिन्न तकनीकी व सामान्य प्रतिवेदनों को हिन्दी में तैयार ही नहीं किया गया अपितु केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड (http://cpcb.nic.in) पर भी अपलोड किया गया है जहाँ से हिन्दी भाषा का वृहद प्रचार-प्रसार हो रहा है । कार्यालय द्वारा हिन्दी में तैयार किए गए प्रमुख प्रतिवेदन निम्नलिखित हैं :-

- विश्व पर्यावरण दिवस 2020 का प्रतिवेदन
- सभी तकनीकी कार्यशालाओं के प्रतिवदेन के कार्यकारी सारांश हिन्दी मे
- अंतर्राज्यीय नदी प्रबोधन - प्रतिवेदन 2019
- मंत्रालय की हिन्दी पत्रिका मे लेख प्रकाशन
- कार्यालय द्वारा पर्याभाष पत्रिका का संपादन
- कार्यालय द्वारा आयोजित सदभावना दिवस, आतंकवादी निरोधी दिवस आदि के हिन्दी प्रतिवेदन

इनके अतिरिक्त राजभाषा नियम की धारा 3(3) में उल्लेखित समस्त दस्तावेजों को द्विभाषी जारी किया जाता है तथा कार्यालय का अधिकतम पत्राचार हिन्दी में ही किया जा रहा हैं।

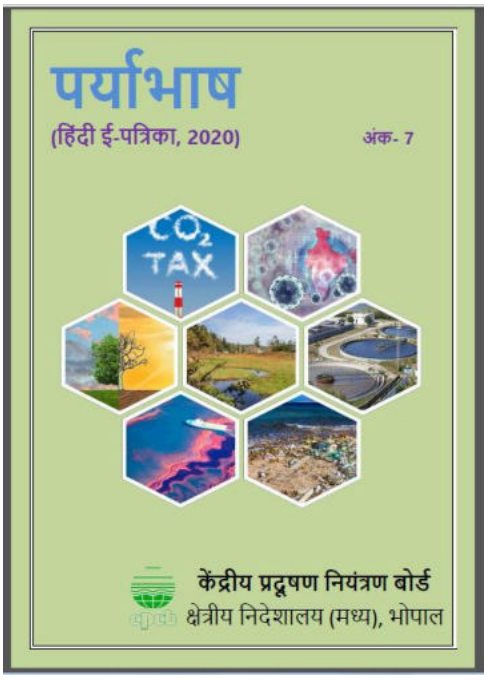

वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी विचारों के आदान-प्रदान व जन-जागरूकता के क्षेत्र में प्रभावी योगदान है। इस दृष्टिकोण से कार्यालय द्वारा 'पर्याभाष' नामक ई-पत्रिका का संपादन वर्ष 2012 से प्रारंभ किया गया है तथा अब तक इसके 07 अंक प्रकाशित हो चुके हैं । इन पत्रिकाओं के माध्यम से पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत व चिंतन करने वाले व्यक्तियों के पर्यावरण विषय पर लिखे लेखों का संकलन किया जाता है। 'पर्याभाष' ई-पत्रिका के अंक में मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रीय निदेशालय के अधिकारियों द्वारा प्राप्त तकनीकी लेख हिन्दी में प्रकाशित किये गए थे पूर्व की पत्रिकायें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड (http://www.cpcb.nic.in/Paryabhash.pdf) पर भी उपलब्ध है। वर्ष 2020 में भी

हिन्दी दिवस के अवसर पर 'पर्याभाष' ई-पत्रिका के सातवें अंक का ई-विमोचन क्षेत्रीय निदेशक द्वारा ऑनलाइन माध्यम से सभी कार्यालयीन कर्मचारियों की उपस्थिति मे किया। इस पत्रिका का कोई प्रिन्ट नही निकाला गया तथा सभी को यह पत्रिका ई-मेल के माध्यम से ही प्रेषित की जाती है।

02. हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम 3-14 सितंबर 2020

राजभाषा अधिनियम व नियमों के प्रावधानों के अनुसार क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल में वर्ष भर ही हिन्दी में प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाता है तथा हिन्दी दिवस के अवसर पर समग्र रूप से वर्षभर किए गए कार्यों की समीक्षा की जाती है तथा कालांतर में किस तरह कार्यान्वयन किया जाय इस बाबत मंथन भी किया जाता है। इस वर्ष भी हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत 3 सितंबर से 14 सितंबर 2020 के मध्य अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, मुख्यालय के निर्देशानुसार व कोविड महामारी के मद्देनज़र इस वर्ष अधिकतर कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से ही संपादित किए गये साथ ही जो कार्यक्रम कार्यालय मे आयोजित किए उनमे भी कोविड संबंधी सभी दिशानिर्देश का कड़ाई से पालन किया गया। इस कार्यक्रम का समापन हिन्दी दिवस के अवसर सांस्कृतिक संध्या के साथ किया गया।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत श्री पी.जगन, क्षेत्रीय निदेशक के उदबोधन से हुई उन्होने बताया भारत सरकार के सभी मंत्रालयों विभागो, कार्यालयों, उपक्रमों मे राजभाषा विकास का प्रयास किया जा रहा है तथा इसका शत प्रतिशत अनुपालन हमारे कार्यालय द्वारा किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। हमारे कार्यालय में चूंकि अधिकतर कार्य तकनीकी व न्यायालयीन प्रकृति का है इस वजह से कभी-कभी चाहकर भी पूर्णत: हिन्दी का प्रयोग नहीं किया जा पा रहा है।

क्षेत्रीय निदेशक के संक्षिप्त उदबोधन के पश्चात हिन्दी पखवाड़ा के विभिन्न कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। इस श्रंखला में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

03. यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता (दिनांक 03.09.2020) :-

कार्यालय में हिन्दी के सामान्य पत्राचार व दैनिक कार्यों में हिन्दी टंकण की आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से यूनिकोड सोफ्टवेयर का संस्थापन सभी कम्प्यूटरों में किया गया है तथा इसका प्रयोग अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा निरंतर किया जाने लगा है तथा कई तकनीकी प्रतिवेदन भी यूनिकोड के माध्यम से बनाये गये है। यूनिकोड टंकण के प्रोत्साहन हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि इसमें कार्यालय के उन कर्मचारियों ने भी भाग लिया जो सामान्यत: कम्प्यूटरों का उपयोग नहीं करते हैं जैसे कि प्रयोगशाला सहायक, परिचर आदि। इस प्रतियोगिता में 'कोरोना संक्रमण' विषय पर लेख यूनिकोड में टंकण हेतु दिया गया था। प्रतियोगिता में सही व शुद्ध टंकण करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री सुनील कुमार मीणा, द्वितीय स्थान डॉ. रानू चौकसे वर्मा, तृतीय स्थान श्री प्रहलाद बघेल, चतुर्थ स्थान श्री अनिल कुमार, ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता मे 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया व इसका आयोजन व संचालन डॉ.आर.पी.मिश्रा व श्री एस.डी.बोकड़े द्वारा किया गया।

04. 'हिन्दी' लिखित प्रतियोगिता (दिनांक 07.09.2020) :-

क्षेत्रीय निदेशालय में विभिन्न राजभाषा क्षेत्रों के व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व है तथा इसमें 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति प्रोत्साहन हेतु विशेष हिन्दी प्रश्नोत्तरी/लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में लिखित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस प्रश्नपत्र में मुख्य रूप से मुहावरों के अर्थ, पर्यायवाची व विलोम शब्दों का प्रयोग, लोकोक्ति व मुहावरे, भाषा व लिपि मिलान तथा राजभाषा संबंधी सामान्य प्रश्न पूछे गये। प्रतियोगिता में कार्यालय

के 20 आधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कार्यालय में टिप्पण, राजभाषा के नियमों का ज्ञान तथा 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मियों को प्रोत्साहन प्रदान करना था। प्रतियोगिता में औसत आधार पर 100 अंकों के प्रश्नपत्र में सभी ने औसत 60 अंक प्राप्त किए जो कि कार्यालय द्वारा राजभाषा विकास हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों का सुखद परिणाम है। प्रतियोगिता हेतु पाँच दल बनाये गये थे जिसमे तकनीकी, प्रशासन, लेखा व प्रयोगशाला के सदस्यों को सम्मिलित किया गया था।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डॉ. रानू चौकसे वर्मा के दल, द्वितीय स्थान डॉ.पोलोमी पाटिल के दल, तृतीय स्थान श्री सुनील कुमार मीणा के दल व चतुर्थ स्थान डॉ.वाय.के.सक्सेना के दल ने प्राप्त किया। सभी सहभागियों ने प्रश्न पत्र उत्साह के साथ हल किया तथा प्रश्न पत्र समाप्ति के बाद आपस में विचारों का आदान-प्रदान किया गया तथा दिये गये प्रश्नों पर अपने मत-मतांतरों से सभी को अवगत करवाया। इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ आर.पी.मिश्रा द्वारा किया गया।

05. 'राजभाषा क्विज' प्रतियोगिता (दिनांक 10.09.2020) :-

प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्रीय निदेशक की उपस्थिति में किया गया, इस प्रतियोगिता में राजभाषा, पर्यावरण, सामान्य ज्ञान व तकनीकी विषयों से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का संकलन किया गया था, जो कार्यालय के ही दैनिक कार्यकलापों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित थे। प्रतियोगिता हेतु चार दल बनाये गये थे जिसमें तकनीकी व वैज्ञानिक, प्रशासन व लेखा प्रभाग के सदस्यों को सम्मिलित किया गया था। प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यालय के सभी सदस्यों को सहभागी बनाना था जिसमें विशेष रूप से 'ख' व 'ग' क्षेत्र के अधिकारी/कर्मचारी है। इस प्रतियोगिता में बहुविकल्पीय प्रश्न भी पूछे गये। प्रतियोगिता में प्रशासन व लेखा से संबंधित कर्मचारियों ने भी अत्यधिक उत्साह दिखाया जो उनके राजभाषा के प्रति लगाव व तकनीकी विषयों में भी

सहभागिता को दर्शाता है। इस प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

इस प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने चार दल बनाकर भाग लिया तथा प्रथम स्थान डॉ. रानू चौकसे वर्मा के (महादेवी वर्मा दल), द्वितीय स्थान श्री मिलिंद कुमार निमजे (माखनलाल चतुर्वेदी दल), तृतीय स्थान श्री एस. डी. बोकड़े के (जयशंकर प्रसाद दल) व चतुर्थ स्थान श्री सुनील कुमार मीणा के (मैथिलीशरण गुप्त दल) ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. वाय.के. सक्सेना द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में निर्णय क्षेत्रीय निदेशक, डॉ आर. पी. मिश्रा व डॉ. वाय. के. सक्सेना द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

06. "जनसंख्या वृद्धि व इसके दुष्प्रभाव" विषय पर हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता (दिनांक 14.09.2020):-

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में हिन्दी संभाषण का आयोजन किया गया था इसमे "जनसंख्या वृद्धि व इसके दुष्प्रभाव" विषय पर प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए तथा परिचर्चा का सारांश यह था की किसी भी देश में जब जनसंख्या विस्फोटक स्थिति में पहुँच जाती है तो संसाधनों के साथ उसकी ग़ैर-अनुपातित वृद्धि होने लगती है, इसलिये इसमें स्थिरता लाना ज़रूरी होता है। संसाधन एक बहुत महत्त्वपूर्ण घटक है। भारत में विकास की गति की अपेक्षा जनसंख्या वृद्धि दर अधिक है। संसाधनों के साथ क्षेत्रीय असंतुलन भी तेज़ी से बढ़ रहा है। यह भारत के भीतर एक क्षेत्रीय असंतुलन पैदा करता है। जब किसी भाग में विकास कम हो और जनसंख्या अधिक हो, तो ऐसे स्थान से लोग रोज़गार तथा आजीविका की तलाश में अन्य स्थानों पर प्रवास करते हैं। किंतु संसाधनों की सीमितता तथा जनसंख्या की अधिकता तनाव उत्पन्न करती है, विभिन्न क्षेत्रों में उपजा क्षेत्रवाद कहीं न कहीं संसाधनों के लिये संघर्ष से जुड़ा हुआ होता है जिसका मूल उस क्षेत्र मे बढ़ती जनसंख्या ही होती है। संभाषण में जनसंख्या नियंत्रण हेतु कुछ सुझाव भी दिये गये जो निम्न है :

- शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के माध्यम से लोगों के अधिक बच्चों को जन्म देने के दृष्टिकोण को परिवर्तित करना।
- लैंगिक भेदभाव को समाप्त कर अधिक-से-अधिक बच्चों को जन्म देने की प्रवृत्ति को रोका जा सकता है।
- परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाकर तथा उनके जीवन स्तर को ऊँचा उठाकर जनसंख्या वृद्धि को कम किया जा सकता है। प्रायः ऐसा देखा गया है कि उच्च जीवन स्तर वाले लोग छोटे परिवार को प्राथमिकता देते हैं।
- भारत में शहरीकरण जनसंख्या वृद्धि के साथ व्यूत्क्रमानुपातिक रूप से संबंधित माना जाता है। यदि शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाता है तो निश्चित रूप से यह जनसंख्या नियंत्रण में उपयोगी साबित होगा।
- भारत में जनसंख्या वृद्धि दर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है, इसका प्रमुख कारण परिवार नियोजन के बारे में लोगों में जागरूकता का अभाव है।
- सरकार को ऐसे लोगों को विभिन्न माध्यमों से प्रोत्साहन देने का प्रयास करना चाहिये जो परिवार नियोजन पर ध्यान देते हैं तथा छोटे परिवार को प्राथमिकता देते हैं।

इस संभाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्री सुनील कुमार मीणा, द्वितीय डॉ. रानू चौकसे वर्मा, तृतीय डॉ. वाय.के. सक्सेना तथा चतुर्थ पुरस्कार श्री अनिल कुमार को प्राप्त हुआ। अंत मे डॉ आर. पी. मिश्रा वैज्ञानिक 'घ' ने पूरे संभाषण को सरगर्भित किया। इस प्रतियोगिता मे 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया व इसका आयोजन श्री श्री एस.डी.बोकड़े द्वारा किया गया।

07. 'हिन्दी टिप्पण व आलेखन' प्रतियोगिता:-

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त गत वर्ष में सर्वाधिक हिन्दी टिप्पण व आलेखन करने वाले कर्मियों के उत्साहवर्धन हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इसमें प्रथम विजेता श्रीमती फ़रजाना खान, द्वितीय श्री अनिल कुमार तृतीय विजेता श्री राजीव शर्मा व चतुर्थ पुरस्कार संयुक्त रूप से श्री एस.डी.बोकड़े व श्री शिव शंकर शुक्ला को संयुक्त रूप प्राप्त हुआ।

08. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक व पर्याभाष पत्रिका का विमोचन (14.09.2020):-

हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रात: 11.00 बजे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय तिमाही बैठक व कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, बैठक की अध्यक्षता श्री.पी.जगन क्षेत्रीय निदेशक द्वारा की गई। बैठक का संचालन हिन्दी अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी ने विगत वर्षो में कार्यालय द्वारा राजभाषा के किन-किन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है व राजभाषा सम्बन्धी उपलब्धियों से अध्यक्ष व सभी सहयोगियों को अवगत कराया तथा राजभाषा हिन्दी में स्वयं काम करने तथा दूसरों को भी प्रोत्साहित करने हेतु संकल्पित रहने की अपील की तथा यह जानकारी प्रदान की गई कि कार्यालय द्वारा लगभग 98% कार्य हिन्दी में किया जा रहा है जबकि गत वर्ष यह लगभग 95% था, तथा इस उच्चतम स्तर को बनाए रखने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होने हिन्दी पत्राचार को और अधिक बड़ाने तथा आगमी दिनों में पुनः हिन्दी पुरस्कार प्राप्त करने हेतु सभी को सामुदायिक प्रयास की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। बैठक मे श्री बोकड़े द्वारा यह अवगत करवाया गया की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा फाइलों मे कुछ नोटिंग अँग्रेजी मे की जा रही है जिसपर विचार करने की आवश्यकता है। बैठक के अंत में क्षेत्रीय निदेशक ने चर्चा के विभिन्न

बिंदुओं को सारगर्भित करते हुए राजभाषा कार्यों के अनिवार्य क्रियान्वयन पर बल दिया।

बैठक के दौरान क्षेत्रीय निदेशक द्वारा कार्यालय की तकनीकी पत्रिका पर्याभाष-2020 का ई-विमोचन भी किया जिसमे अन्य क्षेत्रीय निदेशालय के अधिकारियों द्वारा प्रेषित लेख संकलित किए गए है।

09. सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह (14.09.2020) :-

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा वर्ष 2020 के हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित किए गये कार्यक्रमों का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.आर.पी.मिश्रा वैज्ञानिक घ द्वारा की गई जिनकी अनुमति पश्चात श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी द्वारा संक्षिप्त उद्बोधन में हिन्दी दिवस की महत्ता व इस कार्यालय द्वारा किए गए विशेष कार्यों पर प्रकाश डाला।

क्षेत्रीय निदेशक द्वारा अपने संक्षिप्त ऑनलाइन उद्बोधन में शासकीय कार्यालयों में राजभाषा विकास की वर्तमान आवश्यकता पर ज़ोर दिया तथा भोपाल कार्यालय को इस क्षेत्र मे सदैव अग्रणी रहने का प्रयास करने हेतु निर्देश प्रदान किए। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे प्रतिभागियों ने अपनी अपनी प्रस्तुति ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत की।

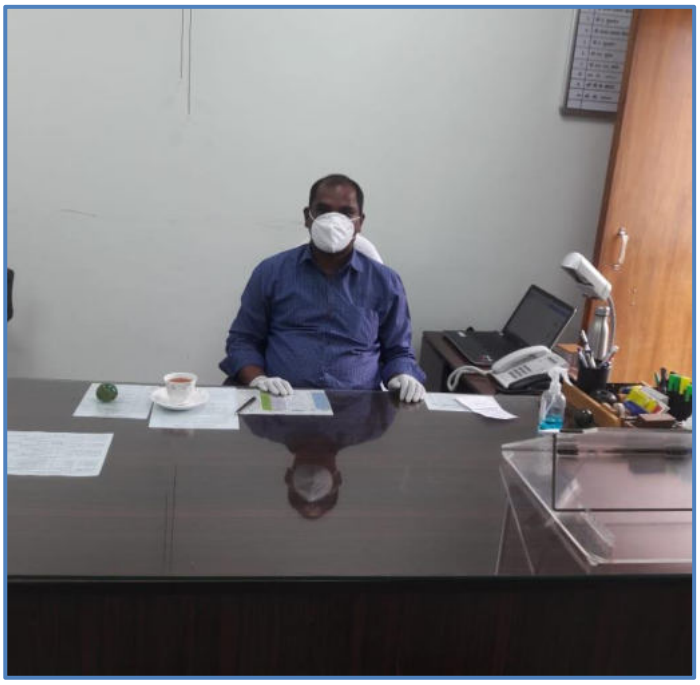

अंत मे क्षेत्रीय निदेशक द्वारा राजभाषा कार्यान्यवन में राजभाषा विकास हेतु कार्यालय द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों की प्रशंसा की तथा राजभाषा कार्यान्यवन की वर्तमान गतिशीलता को स्वागत योग्य बताया।

कार्यक्रम के अगले चरण में हिन्दी पखवाड़े 2020 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा डॉ. आर.पी.मिश्रा वैज्ञानिक घ द्वारा की गई तथा पुरस्कार राशि लेखा प्रभाग द्वारा ऑनलाइन माध्यम से वितरित की गई।

हिन्दी दिवस व सांस्कृतिक कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन डॉ.रानू चौकसे वर्मा वैज्ञानिक ख द्वारा बहुत ही रुचिकर ढंग से किया गया जिससे कार्यक्रम की गरिमा और अधिक हो गई।

कार्यक्रम के अंत में राजभाषा कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों के प्रति श्री एस.डी. बोकड़े द्वारा आभार व्यक्त किया एवं सभी अधिकारियों / कर्मचारियों को इस आयोजन को सफल बनाने हेतु धन्यवाद दिया तथा राजभाषा कार्यो की निरंतरता बनाये रखने के अनुरोध के साथ कार्यक्रम को विराम देने की घोषणा की गई।

(एस.डी.बोकड़े)
अनुभाग अधिकारी

(पी.जगन)
क्षेत्रीय निदेशक

कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ

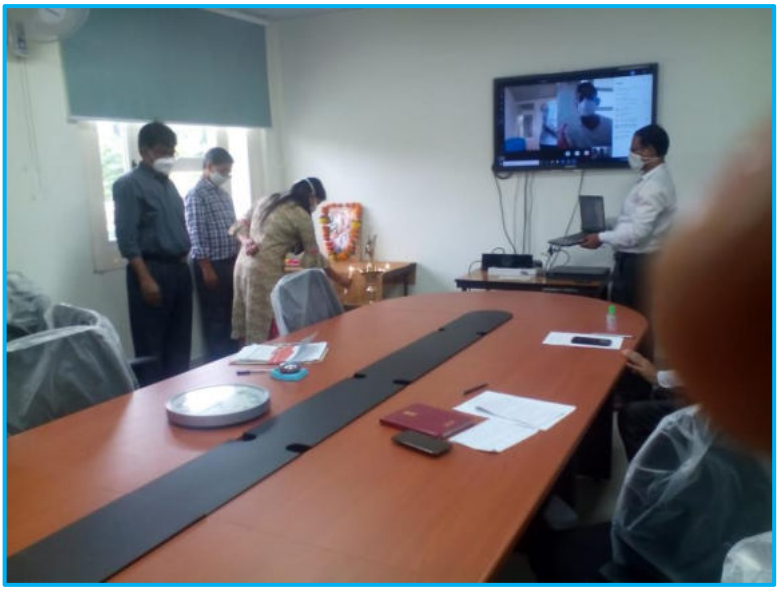

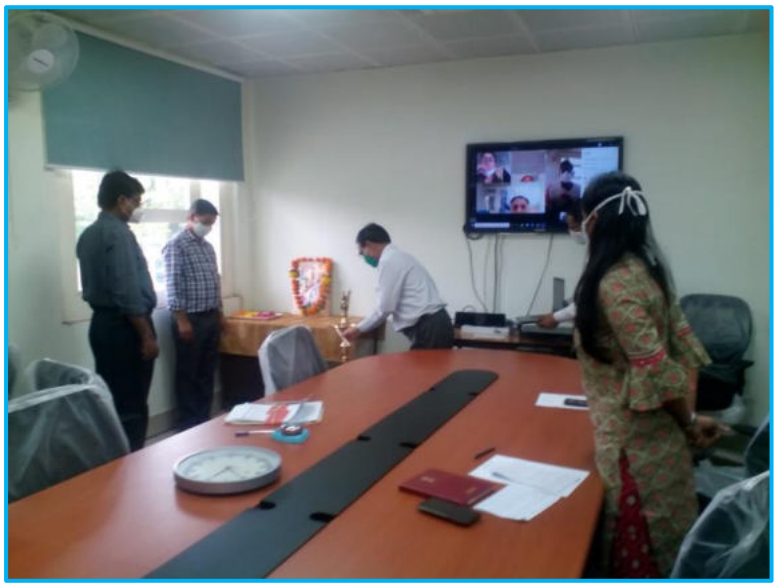

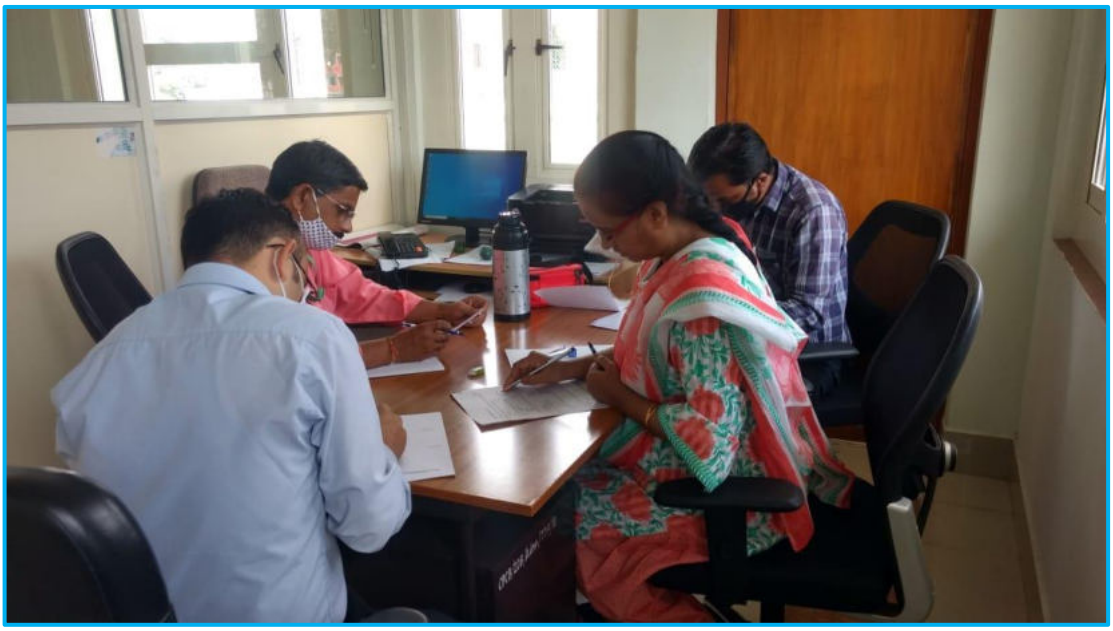

हिन्दी पखवाड़ा
समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

हिन्दी पखवाड़ा
समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य)
पर्यावरण परिसर ई-5 अरेरा कॉलोनी, भोपाल- 462 016

हिन्दी दिवस समारोह

(14 सितम्बर, 2020)

11:00 बजे	राजभाषा समिति की द्वितीय तिमाही बैठक व कार्यशाला
3:00 बजे	दीप प्रज्वलन
3:15 बजे	हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता

पुरस्कार घोषणा व सांस्कृतिक कार्यक्रम

4:40 बजे	हिन्दी अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत एवं मुख्य अतिथि का संबोधन
5.15 बजे	विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार की घोषणा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम (गीत, कविता आदि)
6:00 बजे	धन्यवाद एवं आभार

कार्यालय में 2020 में आयोजित प्रतियोगिताओं का परिणाम

क्रमांक	नाम	परिणाम
01	**यूनीकोड प्रतियोगिता (03.09.2020)**	
	श्री सुनील कुमार मीणा	प्रथम
	डॉ.रानू चौकसे वर्मा	द्वितीय
	श्री प्रहलाद बघेल	तृतीय
	श्री अनिल कुमार	चतुर्थ
02	**लिखित प्रतियोगिता (07.09.2020)**	
	श्री मिलिंद निमजे डॉ.रानू चौकसे वर्मा श्री प्रहलाद बघेल श्री सुरेश चौहान	प्रथम
	डॉ. पौलमी सी. पाटिल श्री राजीव शर्मा सुश्री अल्फा मोनिका श्री सुरेश चौधरी	द्वितीय
	श्री सुनील कुमार मीणा श्री सचिन साहू श्री रामेश्वर बंदेवार श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया	तृतीय
	डॉ. योगेंद्र कुमार सक्सेना श्री एस.डी. बोकड़े श्री जगजीवन श्री संदीप बघेल	चतुर्थ
03	**प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (10.09.2020)**	
	डॉ.रानू चौकसे वर्मा श्री अनिल कुमार श्रीमती फरजाना खान श्री शिव शंकर शुक्ल श्री संदीप बघेल	प्रथम
	श्री मिलिंद निमजे डॉ. पौलमी सी. पाटिल श्री सचिन साहू श्री सुनील कोलहटकर	द्वितीय

	श्री जगजीवन	
	श्री एस.डी. बोकड़े श्री राजीव शर्मा श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया श्री सुरेश चौधरी श्री प्रहलाद बघेल	तृतीय
	श्री सुनील कुमार मीणा श्री अनिल कुमार श्री सुरेश कुमार चौहान श्री रामेश्वर बंदेवार श्रीमति ज्योति जाधव	चर्तुर्थ
04	**संभाषण प्रतियोगिता (14.09.2020)**	
	श्री सुनील कुमार मीणा	प्रथम
	डॉ रानू चौकसे वर्मा	द्वितीय
	डॉ. योगेंद्र कुमार सक्सेना	तृतीय
	श्री अनिल कुमार	चर्तुर्थ
05	**हिन्दी टिप्पण, आलेखन प्रतियोगिता**	
	श्रीमती फरज़ाना खान	प्रथम
	श्री अनिल कुमार	द्वितीय
	श्री राजीव शर्मा	तृतीय
	श्री एस.डी. बोकड़े / श्री शिव शंकर शुक्ला	संयुक्त चतुर्थ